लॉक्ड-इन सिन्ड्रोम

लॉक्ड-इन सिन्ड्रोम (LIS) एक दुर्लभ, तंत्रिकीय विकार है जिसके कारण होने वाला व्यापक लकवा व्यक्ति की संवाद करने की क्षमता को बेहद कमज़ोर बना देता है। चीज़ों को समझने और महसूस करने की क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं होता है।

प्र: लॉक्ड-इन सिन्ड्रोम (LIS) के लक्षण क्या हैं?

चेहरे के निचले भाग, दोनों हाथों और दोनों पैरों को लकवा मार जाता है। फलस्वरूप, LIS के साथ जी रहे लोग विभिन्न प्रकार के प्रतिबंधी लक्षणों का अनुभव करते हैं, जैसे चलने-फिरने, चबाने, निगलने, बोलने और साँस लेने की अयोग्यता। वे आँखें दायें-बायें नहीं चला पाते, पर आँखों की ऊपर-नीचे की गति, जैसे पलकें झपकाना और आँखें खोलना व बंद करना, बनी रह सकती है। उन्हें ग़लती से बेहोश न मान लिया जाए इसके लिए, इन लक्षणों से ग्रस्त रोगियों को आकलन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए आँखों की ऊपर-नीचे की गति की कोडित प्रणाली का उपयोग करके अपनी बोध क्षमता का परीक्षण करवाना चाहिए।

प्र: लॉक्ड-इन सिन्ड्रोम के कारण क्या हैं?

LIS का कारण आमतौर पर स्ट्रोक होता है, पर यह विकार मस्तिष्क की किसी आघाती चोट, ब्रेन स्टेम के मध्य खंड को नुक़सान पहुँचाने वाले संक्रमणों या ट्यूमरों, ओपिऑइड की ओवरडोज़ या जीवविषों से संपर्क, और तंत्रिका कोशिकाओं के इर्द-गिर्द मौजूद मायलिन आवरण को नष्ट करने वाले रोगों के कारण भी हो सकता है।

प्र: लॉक्ड-इन सिन्ड्रोम की तीन श्रेणियाँ क्या हैं?

LIS का वर्गीकरण, विकार शुरू होने के बाद शेष बचे प्रेरक नियंत्रण (मोटर कंट्रोल) की मात्रा पर निर्भर करता है। क्लासिक LIS का अर्थ ऐसी स्थिति से है जिसमें क्वाड्रीप्लेजिया और बोलने की अयोग्यता होते

हैं, पर आँखों की ऊपर-नीचे की गति बची रहती है। इन्कम्प्लीट LIS का अर्थ ऐसी स्थिति से है जिसमें व्यक्ति के पास आँखों की गति के साथ-साथ थोड़ा एच्छिक संचलन बाक़ी होता है, जैसे हाथ की या पैर की किसी अंगुली का संचलन। टोटल LIS का अर्थ संपूर्ण अचलता से है।

प्र: लॉक्ड-इन सिन्ड्रोम का उपचार कैसे किया जाना चाहिए?

यदि विकार का कारण ज्ञात हो तो उस कारण के उपचार से आरंभ करें। LIS के अधिकांश मामलों में, अचलता से उत्पन्न होने वाली द्वितीयक स्थितियों की रोकथाम पर फ़ोकस के साथ, दीर्घकालिक या व्यापक गृह देखभाल की आवश्यकता पड़ती है। आरंभ में, किसी श्वसन सहायक यंत्र की आवश्यकता पड़ सकती है। अच्छा पोषण महत्वपूर्ण है और उसे फ़ीडिंग ट्यूब से प्रदान किया जा सकता है। भौतिक चिकित्सा पेशियों की कमज़ोरी और उनके क्षय को धीमा कर सकती है। दवाओं, कम्प्रेशन स्टॉकिंग्स और पैरों को ऊँचा उठाने से रक्त के थक्कों की रोकथाम हो सकती है। देखभालकर्ताओं को त्वचा की स्थिति पर क़रीब से ध्यान देना चाहिए और LIS के साथ जी रहे व्यक्तियों की स्थिति को प्रायः बदलना चाहिए ताकि दबाव से होने वाले घावों की रोकथाम हो सके। रोग की पहचान के बाद संवाद प्रशिक्षण जल्द-से-जल्द शुरू कर देना चाहिए।

प्र: क्या सहायक टेक्नॉलजी लॉक्ड-इन सिन्ड्रोम के साथ जी रहे लोगों की मदद कर सकती है?

तमाम तरह की साधारण और उन्नत टेक्नॉलजियाँ LIS के साथ जी रहे लोगों की संवाद योग्यताओं को बढ़ाने में मदद दे सकती हैं, जिनमें चित्रों और प्रतीकों का उपयोग करने वाले संवाद बोर्डों से लेकर आँखों को ट्रैक करने वाले और आवाज़ उत्पन्न करने वाले डिवाइस तक शामिल हैं। गंभीर प्रेरक (मोटर) अशक्तताओं से ग्रस्त लोगों को अपने मस्तिष्क मात्र के उपयोग से कंप्यूटर चलाने में सक्षम बनाने के लिए ब्रेन कंप्यूटर इंटरफ़ेस टेक्नॉलजियाँ भी विकसित की जा रही हैं।

प्र: क्या लॉक्ड-इन सिन्ड्रोम के लिए क्लीनिकल परीक्षण भी चल रहे हैं?

हाँ। हालिया और वर्तमान क्लीनिकल परीक्षण LIS के साथ जी रहे लोगों के लिए ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफ़ेस टेक्नॉलजी के उपयोग के ज़रिए संवाद को बेहतर बनाने पर केंद्रित हैं। U.S. नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ मेडिसन दुनिया भर में सरकारी और निजी सहयोग से किए जा रहे परीक्षणों का खोज-योग्य डेटाबेस बनाकर रखती है; वर्तमान LIS-संबंधी परीक्षणों की जानकारी, जिसमें पात्रता शामिल है, ClinicalTrials.gov पर उपलब्ध है।

प्र: हर वर्ष कितने लोगों में लॉक्ड-इन सिन्ड्रोम के होने की पहचान होती है?

LIS के मामले दुर्लभ होते हैं; यह ज्ञात नहीं है कि इस समय कितने लोग इस विकार के साथ जी रहे हैं।

स्रोत: मर्क मेनुअल, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ न्यूरलॉजिकल डिसॉर्डर्स एंड स्ट्रोक, जॉन्स हॉपकिन्स मेडिसिन, BMJ (पूर्व में, द ब्रिटिश मेडिकल जरनल।)

किसी से बात करनी है?

हमारे जानकारी विशेषज्ञ आपके प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपलब्ध हैं।
सोमवार से शुक्रवार, सुबह 9 बजे से रात 8 बजे (पूर्वी समयानुसार) तक टोल फ़्री नंबर 1-800-539-7309 पर कॉल करें। या https://www.christopherreeve.org/hi/get-support/ask-us-anything/form पर कॉल निर्धारित करें अथवा ऑनलाइन प्रश्न पूछें।

इस संदेश में निहित जानकारी आपको पक्षाघात और उसके प्रभावों के बारे में शिक्षित करने व सुविज्ञ बनाने के उद्देश्य से प्रस्तुत की गई है। इस संदेश में निहित किसी भी चीज़ का अर्थ चिकित्सीय निदान या उपचार के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए और न ही वह इसके लिए प्रयोग करने हेतु उद्दिष्ट है। इसका उपयोग आपके चिकित्सक या अन्य किसी योग्य स्वास्थ्य-देखभाल प्रदाता की सलाह के स्थान पर नहीं किया जाना चाहिए। यदि आपको स्वास्थ्य देखभाल संबंधी कोई प्रश्न पूछना हो तो कृपया शीघ्रता से अपने चिकित्सक या अन्य किसी योग्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता को फोन करें या उनसे मिलें। कोई भी नया उपचार, आहार या तंदुरुस्ती कार्यक्रम आरंभ करने से पहले हमेशा अपने चिकित्सक या अन्य किसी योग्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता से परामर्श करें। आपको कभी-भी इस संदेश में पढ़ी गई किसी चीज़ के कारण चिकित्सीय सलाह की अवहेलना नहीं करनी चाहिए अथवा उसे प्राप्त करने में विलंब नहीं करना चाहिए।

इस प्रकाशन को कुल $87,00,000 मूल्य के वित्तीय सहायता अनुदान के रूप में सामुदायिक जीवन-यापन प्रशासन (एडमिनिस्ट्रेशन फ़ॉर कम्युनिटी लिविंग, ACL), अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवाएँ विभाग (यू.एस. डिपार्टमेंट ऑफ़ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज़, HHS) की ओर से सहायता मिलती है जिसका 100 प्रतिशत वित्तपोषण ACL/HHS द्वारा किया जाता है। विषय-वस्तुएँ रचियता(ओं) द्वारा रचित हैं और आवश्यक नहीं कि वे ACL/HHS, या अमेरिकी सरकार के आधिकारिक विचारों को या उनके द्वारा विषय-वस्तुओं के समर्थन को दर्शाती हों।